This question paper contains **3** printed pages]

Roll No. | | | | | | | | | | | |

S. No. of Question Paper : **5289**

Unique Paper Code : **2053100009**

Name of the Paper : **हिंदी यात्रा साहित्य**

Name of the Course : **बी.ए. ऑनर्स**

Type of paper : **DSE**

Semester : **V**

Duration : **3 Hours** Maximum Marks : **90**

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 8+8=16

(1) असहयोगी स्टोक प्रथम विश्वयुद्ध में सैनिक भरती कराने में उसी तरह तत्परता दिखला रहे थे, जैसे गाँधी जी। किंतु युद्ध-समाप्ति के बाद जो नीति अंग्रेजों ने अपनाई, उससे उन्हें घोर असंतोष हो गया। जिस असंतोष को उन्होंने सिर्फ अपने असहयोग द्वारा ही नहीं प्रकट किया, बल्कि युद्ध के उपलक्ष्य में जो विजय-शिखर स्थापित किया था, उसे तोड़कर उन्होंने उसी स्थान पर हिंदू पूजा-मंदिर बनाया।

अथवा

यह प्राचीन मार्ग भारत के सभी विदेशी आक्रमणों का मार्ग न भी रहा हो तो भी यहाँ की जातियों का सदा परिचित रहा और नाना देशों के सार्थवाहों ने इसी की धूल की झिलमिल के पार ऋद्धि के स्वप्न देखे। भारत के गांधार उपनिवेश से संपर्क की धमनी तो यह थी ही, ईरान और अरब के लिए भी यही मार्ग था। अभी तक मध्य एशिया के व्यापार के लिए यह प्रमुख निर्यात मार्ग

P.T.O.

है, और अब भी सप्ताह में एक या दो बार इसी राह से दो कुब्बे बाख्त्री, ऊँटों, बैलों, खच्चरों और गधों के मीलों लंबे काफिले गुज़रते हैं, जिनके साथ टाँडा-टब्बर लिये सैकड़ों काफिलेदार चलते हैं।

(2) ये पहाड़ी छायाएँ एकसी हैं, किंतु हर जगह इनके पल छिन बदलते रंगों को देखा है। जाखू की पहाड़ियों पर स्कूल के कमरे की खिड़की से बाहर इन्हें धीरे-धीरे धूप के संग उतरते देखा है। बहुत बरसों बाद कोटगढ़ के सेब के बगीचों में लेटे हुए पेड़ों की सरसराती टहनियों पर, रानीखेत में चीड़ की सुईनुमा नुकीली पत्तियों की जाली से इन्हें चुपचाप छनते, झरते देखा है।

अथवा

नगर के ताम-झाम और भीड़-भड़क्के से दूर इस शृंग से श्रेष्ठ स्थान अपनी सांस्कृतिक यात्रा की शुरुआत के लिए और हो भी क्या सकता है ? भूस्तर से 695 फुट ऊँची यह चोटी प्रदूषण से कितनी दूर है। यहाँ बहती ठण्डी ब्यार कैसी सुहा रही है। कालचक्र ने फागुन से चैत्र में प्रवेश कर लिया है। फगुआ के रंग तो बस तात्कालिक थे। प्रकृति के कैनवास पर बिखरे ये रंग तो चिरस्थायी हैं, उन्हें समय का अंतराल भला कैसे फीका कर सकता है ?

2. हिंदी यात्रा साहित्य का स्वरूप स्पष्ट करते हुए उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए। 15

अथवा

हिंदी यात्रा साहित्य का वर्गीकरण करते हुए प्रमुख उद्देश्यों को स्पष्ट कीजिए।

3. स्वतंत्रता पूर्व हिंदी यात्रा साहित्य के स्वरूप को स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

21वीं सदी के यात्रा साहित्य और भूमंडलीकरण के अंतर्संबंध पर विचार व्यक्त कीजिए।

4. किन्नर देश में यात्रा वृत्तांत के माध्यम से यायावर ने हिमालय के आर्थिक व धार्मिक पक्षों का वर्णन किया है। विस्तार सहित लिखिए। 15

अथवा

'अरे यायावर रहेगा याद' यात्रा वृत्तांत के राजनीतिक एवं सामाजिक पक्ष पर विचार कीजिए।

5. निर्मल वर्मा कृत 'चीड़ों पर चाँदनी' यात्रा वृत्तांत का महत्व स्पष्ट कीजिए। 15

अथवा

'कामाख्या क्षेत्रे गुवाहाटी नगरे' यात्रा वृत्तांत के सांस्कृतिक पक्ष को उद्घाटित कीजिए।

6. किन्हीं **दो** पर टिप्पणी लिखिए : 7+7=14

(1) स्वामी सत्यदेव परिव्राजक

(2) यात्रा साहित्य का महत्व

(3) तीर्थयात्री, यायावर व पर्यटक

(4) विदेशी यात्राओं का महत्व।

SRI AUROBINDO COLLEGE तमसो मा ज्योतिर्गमय UNIVERSITY OF DELHI

SRI AUROBINDO COLLEGE
श्री अरविन्द महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय
तमसो मा ज्योतिर्गमय
UNIVERSITY OF DELHI